मीडिया समन्वय कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 28 फरवरी 2017

नीदरलैंड और जेएमआई के बीच साझा डिग्री कोर्स की संभावनाएं

नीदरलैंड के दूतावास और वहां के विश्वविद्यालयों तथा जामिया मिल्लिया इस्लामिया :जेएमआई: के बीच संयुक्त डिग्री कोर्स, संयुक्त अनुसंधान और छात्रों, अध्यापकों के आदान–प्रदान की संभावनाओं पर आज दोनों पक्षों के बीच गहन विचार विमर्श हुआ।

हॉलैंड के नाम से भी पहचाने जाने वाले इस यूरोपीय देश के भारत स्थित दूतावास और वहां के कई शैक्षिक संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारियों ने जेएमआई के कुलपति प्रो तलत अहमद और विभिन्न विभागों के अध्यापकों तथा छात्रों से इस बारे में चर्चा की।

शिक्षा और अनुसंधान में साझा प्रयासों की संभावनाएं तलाशने के बारे में इस एक दिवसीय चर्चा का आयोजन जेएमआई के 'इंडिया–अरब कल्चर सेंटर' , नई दिल्ली स्थित नीदरलैंड के दूतावास और बेंगलूर स्थित 'द नीदरलैंड एज्यूकेशन सपोर्ट आफिस' ने किया ।

इस कार्यक्रम में प्रो अहमद ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि भारत के छात्र अध्ययन की नयी संभावनाएं तलाशने के लिए आम तौर पर इंग्लैंड, अमेरिका आस्ट्रेलिया की राह पकड़ते हैं लेकिन नीदरलैंड जैसे देशों पर उनकी निगाह कम ही जाती है, जबकि वहां उच्चस्तरीय अध्ययन की काफी संभावनाएं हैं।

उन्होंने नीदरलैंड दूतावास के वरिष्ठ अधिकारियों से कहा कि वे अपने देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और जेएमआई के बीच संयुक्त डिग्री कोर्स की संभावनाओं पर ग़ौर करें जिसमें एक सेमिस्टर जेएमआई का हो तो दूसरा नीदरलैंड के किसी विशविद्यालय का। ऐसे संयुक्त डिग्री कोर्स में से किसी की डिग्री जेएमआई की हो सकती है तो किसी की नीदरलैंड के किसी विश्वविद्यालय की।

प्रो अहमद ने जेएमआई और नीदरलैंड के विश्वविद्यालयों के बीच कई आयामों में सहयोग के लिए सहमति पत्रों :एमओयू: का सिलसिला बढ़ाने का भी सुझाव दिया।

उन्होंने कहा कि जेएमआई और नीदरलैंड के विश्वविद्यालय साझा क्षेत्रों में एक दूसरे के देश में संयुक्त अनुसंधान भी कर सकते हैं और इनकी साझा फंडिंग हो सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसी व्यवहारिक संभावनाओं पर ग़ौर किया जाना चाहिए, जिनपर आगे बढ़ा जा सके।

नीदरलैंड के हेग स्थित विख्यात विश्वविद्यालय 'इंटरनेशनल इंस्टिटूट ऑफ सोशल स्टडीज़ ऑफ एरासमस यूनिवर्सटी' के वरिष्ठ अधिकारी डा जूप डी विट ने जेएमआई के अध्यापकों और छात्रों को अपने देश के विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों और स्कालरशिप के स्रोतों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने प्रो अहमद के सुझावों का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह की संभावनाओं को व्यवहारिक रूप देने में नीदरलैंड को खुशी होगी।

नीदरलैंड की कई शैक्षिक संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने देश में भारतीय छात्रों के लिए संभावनाओं के बारे में विस्तार से बाताया।

जेएमआई मिडिया कोऑरडिनेटर कार्यालय

font: Kruti Dev 010